हरियाणा विधानसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 24 (दिनांक 15.12.2023 को सूचीबद्ध)
साईबर क्राईम की घटनाएं

प्र. स. 24 - श्री राकेश दौलताबाद (बादशाहपुर)

क्या गृह मन्त्री कृप्या बताएंगे कि: -

(क) वर्ष 2019 से आज तक राज्य में साइबर अपराध की घटनाओं की संख्या कितनी है तथा उनका जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ख) गत तीन वर्षों में घटनाओं के दौरान वित्त तथा अन्य नुकसान का जिलेवार ब्यौरा क्या है;

(ग) गत दो वर्षों में इस तरह के बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सरकार द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों तथा उठाए गए कदमों का जिलावार ब्यौरा क्या है; तथा

(घ) सरकार द्वारा उठाये गए इन कदमों की सफलता दर क्या है?

उत्तर- श्री अनिल विज, गृह मंत्री, हरियाणा

महोदय, एक वक्तव्य सदन के पटल पर रखा गया है।

क) साइबर अपराध की घटनाओं का जिला-वार विवरण (पंजीकृत शिकायतें, अभियोग - 01.01.2019 से 08.12.2023 तक)

क्रम संख्या	जिला	साइबर अपराध की घटनाओं का विवरण				
		वर्ष- 2019	वर्ष- 2020	वर्ष- 2021	वर्ष- 2022	वर्ष- 2023 (08.12.2023 तक)
1.	अम्बाला	87	408	1570	2714	3591
2.	भिवानी	11	238	381	1494	2496
3.	चरखी दादरी	20	120	163	697	1293
4.	फरीदाबाद	20	2471	6602	9353	15146
5.	फतेहाबाद	43	127	253	1068	1811
6.	गुरुग्राम	8623	11800	11450	20852	31647
7.	हांसी	85	100	110	554	995
8.	हिसार	384	405	847	2534	4267
9.	झज्जर	34	161	412	1972	3471
10.	जींद	23	212	691	1786	2925
11.	कैथल	4	127	638	1639	2452
12.	करनाल	25	285	482	2576	3781
13.	कुरुक्षेत्र	96	173	181	1307	3185
14.	महेंन्द्रगढ़	0	31	206	1151	2130
15.	नूंह	3	82	150	643	954
16.	पलवल	50	805	1221	2067	3246
17.	पंचकूला	40	503	775	1999	2909
18.	पानीपत	93	200	479	2085	3879
19.	रेवाड़ी	34	331	448	1525	3412
20.	रोहतक	33	346	565	1929	3571
21.	सिरसा	14	172	324	1259	1063
22.	इ़बवाली	0	0	0	0	527
23.	सोनीपत	50	473	770	2561	5107
24.	यमुनानगर	0	80	53	1662	3154
25.	रेलवे पुलिस	2	1	2	5	3
26.	नोड़ल साइबर थाना	126	789	1037	1352	1040
	कुल	**9,900**	**20,440**	**29,810**	**66,784**	**1,08,055**

ख) जिला-वार वित्तीय और अन्य हानियों का विवरण (01.01.2020 से 08.12.2023 तक)

क्रम संख्या	जिला	साइबर अपराध की घटनाओं में ठगी गई राशि का विवरण			
		वर्ष- 2020	वर्ष- 2021	वर्ष- 2022	वर्ष- 2023 (08.12.2023 तक)
1.	अम्बाला	6663732	12818007	95249347	166978002
2.	भिवानी	9417532	3556462	89885969	102422218
3.	चरखी दादरी	1210209	3108608	4510381	31710040
4.	फरीदाबाद	122349849	339604885	629301484	570495104
5.	फतेहाबाद	4679493	3938948	35602325	79645402
6.	गुरुग्राम	267436257	89079939	1109757039	1494769836
7.	हांसी	3603170	5276621	29203727	37541500
8.	हिसार	15708366	10037959	97358950	155834516
9.	झज्जर	2205273	9816955	67937175	133557054
10.	जींद	7003049	7476049	43095202	107987022
11.	कैथल	36000	471000	64916190	118009181
12.	करनाल	7165116	13872117	58380269	289723475
13.	कुरुक्षेत्र	31017913	35764477	50672367	141734512
14.	महेंन्द्रगढ़	639348	2850636	40451792	52287147
15.	नूंह	4074710	5836427	19202115	33261091
16.	पलवल	18698448	29872702	61032612	119091564
17.	पंचकूला	5221913	11667247	176481177	199860061
18.	पानीपत	11818346	47362756	27333879	219747571
19.	रेवाड़ी	5403417	26472564	53927534	146463669
20.	रोहतक	758860	6521233	49107649	184382876
21.	सिरसा	181732	5692322	46367005	93975997
22.	इ़बवाली	0	0	0	13389442
23.	सोनीपत	4907925	19298539	85073364	495468829
24.	यमुनानगर	29000	2862000	54822130	273555086
25.	रेलवे पुलिस	254983	30000	121000	4999
26.	नोड़ल साइबर थाना	152370	1164977	25040106	14131951
	कुल	**53,06,37,011**	**69,44,53,430**	**301,48,30,788**	**527,60,28,145**

ग) पिछले दो वर्षों में साइबर अपराध को रोकने के लिए सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देश और उठाए गए कदम-

- हरियाणा साइबर सुरक्षा नीति-2017 का कार्यान्वयन।
- राज्य में सभी प्रकार के साइबर अपराधों को समन्वित और व्यापक रूप से सुलझाने के लिए, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, साइबर, हरियाणा के कार्यालय में राज्य साइबर अपराध समन्वय केंद्र (S4C) की स्थापना की गई है।
- डिजिटल साक्ष्यों के परीक्षण एवं अनुसंधान अधिकारियों को सहायता प्रदान करने हेतु पंचकूला में एक नवीनतम तकनीक से लैस साइबर फोरेंसिक लैब (CFL) की स्थापना की गई है। इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार पुलिस अधिकारी राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक लैब (NCFL) का उपयोग भी कर रहे हैं।
- साइबर-क्राइम युवा स्वयंसेवक ढांचे का कार्यान्वयन।
- राज्य में 29 साइबर पुलिस थानों की स्थापना की गई है। प्रत्येक जिले एवं जोन में एक-एक साइबर थाना स्थापित किया गया है। इन थानों मे 600 से अधिक कुशल प्रशिक्षित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात हैं।
- अनुसंधान अधिकारियों की क्षमता को बढ़ाने के लिए नियमित रुप से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन (ऑनलाइन/ऑफलाइन) किया जा रहा है।
- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (cybercrime.gov.in) का प्रभावी रूप से उपयोग हो रहा है ताकि जनता सभी प्रकार के साइबर अपराधों की घटनाएं रिपोर्ट कर सके, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।
- भारतीय साइबर क्राइम समन्वय केंद्र, गृह मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए 'नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन सिस्टम' (CFCFRMS) का प्रभावी रूप से उपयोग हो रहा है। इसके द्वारा वित्तीय धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्टिंग एवं ठगी गई राशि को साइबर अपराधियों के खातों में जाने से पहले ब्लॉक किया जाता है।
- राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 को ERSS - डॉयल 112 के साथ एकीकृत कर दिया गया है। यह साइबर अपराध के पीड़ितों को 24x7 सहायता प्रदान करती है। टीम 1930 के साथ मुख्य बैंकों के नोडल अधिकारियों को एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर लाने के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।
- भारत के सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, गृह मंत्रालय द्वारा साइबर अपराध हॉटस्पॉट्स/क्षेत्रों के आधार पर सात संयुक्त साइबर समन्वय टीम (JCCT) स्थापित की गई हैं। हरियाणा मेवात और चंडीगढ़ क्षेत्रों के लिए बनाई गई दो संयुक्त साइबर समन्वय टीमों का हिस्सा है।
- हर माह के पहले बुधवार को साइबर जागरूकता दिवस और अक्टूबर माह को राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है ताकि जन-संपर्क कार्यक्रमों और सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर सुरक्षा नियम और रिपोर्टिंग के तरीकों के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाई जा सके।
- दूरसंचार विभाग द्वारा 'Artificial Intelligence and Facial Recognition powered Solution for Telecom Subscriber Verification' (ASTR) टूल बनाया गया है जिसका उपयोग फर्जी दस्तावेज़ों के आधार पर जारी किए गए सिम कार्ड को ब्लॉक करने के लिए किया जा रहा है।
- हरियाणा पुलिस द्वारा एयरटेल के साथ मिलकर साइबर ठगों के मोबाइल नंबरों को पूर्वानुमानात्मक (proactive) रूप से ब्लॉक करने के लिए Artificial Intelligence आधारित समाधानों को अन्वेषित किया जा रहा है।
- घटनाओं की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए हरियाणा पुलिस द्वारा स्वंय संज्ञान (Suo-moto) द्वारा अभियोग अंकित किए जा रहे हैं।
- साइबर अपराध के जिन मामलों में ठगी गई राशि पाँच लाख से अधिक है, उन्हें उच्च मूल्य अभियोग के रूप में चिन्हित करके इन मामलों के त्वरित अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

घ) सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की सफलता दर (जनवरी 2022 से नवंबर 2023 तक)

त्वरित सहायता:

- टीम 1930 द्वारा साइबर अपराध के पीड़ितों को उनकी शिकायत के पंजीकरण और उसपर त्वरित कार्रवाई के लिए चौबीसों घण्टे सहायता प्रदान की जा रही है।
- इस अवधि में 5,21,778 नागरिकों ने हेल्पलाइन 1930 पर कॉल की है।
- 114 करोड़ रुपए की धनराशि को साइबर ठगों के खातों मे जाने से रोका गया है।

अपराध प्रकटीकरण:

- दर्ज किए गए मामले: 4,519
- गिरफ्तार किए गए साइबर अपराधी: 2,785
- स्वयं संज्ञान लेकर दर्ज किए गए मामले: 133
- त्वरित जांच के लिए उच्च मूल्य अभियोग के रूप में चिन्हित मामले (> 5 लाख रुपए): 586

प्रशिक्षण:

- CyTrain पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षित पुलिस अधिकारी/कर्मचारी: 2,032
- ऑफलाइन मोड से प्रशिक्षित पुलिस अधिकारी/कर्मचारी: 2,746
- कुल प्रशिक्षित पुलिस अधिकारी/कर्मचारी (ऑनलाइन/ऑफलाइन): 4,778
- CyTrain पोर्टल द्वारा वर्तमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुलिस अधिकारी/कर्मचारी: 1,947

निवारक क्रिया:

- 'ASTR' टूल के माध्यम से मेवात क्षेत्र में ब्लॉक किए गए मोबाइल नंबर: 4,96,562
- साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से ब्लॉक किए गए मोबाइल नंबर: 89,466
- साइबर ठगों के ब्लॉक किए गए बैंक खातों की संख्या: 1,58,102

साइबर-क्राइम युवा स्वयंसेवक ढांचा:

- हरियाणा पुलिस के साथ पंजीकृत साइबर स्वयंसेवक: 825
- साइबर स्वयंसेवकों द्वारा पोर्टल पर सांझा की गई सामग्री: 29
- सभी रिपोर्ट की गई सामग्री पर संबंधित जिला द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई है।

जागरूकता:

- जन-संपर्क कार्यक्रमों का आयोजन: 8,941
- प्रतिभागियों की संख्या: 56,56,581
- प्रकाशित समाचार रिपोर्टों की संख्या: 7,949
- सोशल मीडिया द्वारा भेजे गए साइबर सुरक्षा जागरूकता संदेश: 43,720
- लाइक्स, रि-ट्वीट और शेयर्स: 14,05,527
- व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से जोडे गए व्यक्तियों की संख्या: 41,85,270